

Table of Contents

1. मेरी कल्पना का आदर्श समाज

मेरी कल्पना का आदर्श समाज

इस पाठ में लेखक ने जाति-प्रथा के खेदजनक परिणामों की आलोचना करते हुए एक आदर्श समाज की कल्पना प्रस्तुत की है। आदर्श समाज स्वतंत्रता, समता और भ्रातृता के सिद्धांतों पर आधारित होगा। इसमें सभी व्यक्तियों को समान अवसर और सम्मान मिलेगा तथा समाज में भाईचारे का भाव प्रबल होगा। लेखक ने लोकतंत्र को सामूहिक जीवनचर्या और समाज के अनुभवों के आदान-प्रदान का नाम दिया है।

मुख्य बिंदु

- जाति-प्रथा के नकारात्मक प्रभाव
- स्वतंत्रता, समता और भ्रातृता का महत्व
- लोकतंत्र का सामाजिक अर्थ
- व्यक्ति की स्वतंत्रता और अधिकार
- समता का सामाजिक और राजनीतिक औचित्य

पाठ्य प्रमाण / उदाहरण

"मेरा आदर्श-समाज स्वतंत्रता, समता, भ्रातृता पर आधारित होगा।"

"लोकतंत्र केवल शासन की एक पद्धति ही नहीं है, लोकतंत्र मूलतः सामूहिक जीवनचर्या की एक रीति है।"

हल किए गए उदाहरण

प्रश्न: लेखक के अनुसार आदर्श समाज के कौन-कौन से तत्व आवश्यक हैं?

उत्तर: आदर्श समाज में स्वतंत्रता, समता और भ्रातृता के सिद्धांत होने चाहिए। सभी को समान अवसर और सम्मान मिलना चाहिए। समाज में भाईचारे का भाव प्रबल होना चाहिए।

अभ्यास प्रश्न

स्तर 1 - सरल

- आदर्श समाज में किन तीन मुख्य सिद्धांतों का पालन होता है?
- जाति-प्रथा के क्या दुष्परिणाम हैं?

स्तर 2 - मध्यम

- लेखक के अनुसार लोकतंत्र का सामाजिक अर्थ क्या है?
- स्वतंत्रता के किन-किन अधिकारों को लेखक स्वीकार करता है?

स्तर 3 - कठिन

- समता के विरोधियों के तर्क क्या हैं? लेखक उनका उत्तर कैसे देता है?
- लेखक के अनुसार समाज में समान व्यवहार क्यों आवश्यक है?

उत्तर कुंजी

- आदर्श समाज में स्वतंत्रता, समता और भ्रातृता के सिद्धांत होते हैं।
- जाति-प्रथा समाज में असमानता और दासता जैसी स्थिति उत्पन्न करती है।
- लोकतंत्र सामूहिक जीवनचर्या और समाज के अनुभवों के आदान-प्रदान का नाम है।
- लेखक जीवन, शारीरिक सुरक्षा, संपत्ति और व्यवसाय चुनने की स्वतंत्रता को स्वीकार करता है।

- समता विरोधी कहते हैं कि सभी मनुष्य बराबर नहीं होते, पर लेखक कहता है कि समान अवसर देना आवश्यक है।
- समान व्यवहार से समाज के सभी सदस्य समान अवसर पाते हैं और समाज का विकास होता है।

त्वरित संदर्भ

- जाति-प्रथा: सामाजिक असमानता का कारण
- स्वतंत्रता: जीवन, सुरक्षा, संपत्ति और व्यवसाय की आज़ादी
- समता: समान अवसर और न्याय
- भ्रातृता: भाईचारे का भाव
- लोकतंत्र: सामूहिक जीवनचर्या और अनुभवों का आदान-प्रदान

शब्दावली

- जाति-प्रथा: समाज में वर्गीकरण की प्रथा जो असमानता उत्पन्न करती है।
- स्वतंत्रता: किसी भी प्रकार की बंधन या रोक-टोक से मुक्त होना।
- समता: सभी के साथ समान व्यवहार और अवसर देना।
- भ्रातृता: भाईचारे का भाव, एक-दूसरे के प्रति प्रेम और सम्मान।
- लोकतंत्र: जनता द्वारा शासन की व्यवस्था और सामाजिक जीवन की शैली।
- दासता: किसी के अधीन रहना या बंधन में होना।